त्रिपक्षीय अभ्यास 'दोस्ती': भारत-मालदीव-श्रीलंका

drishtiias.com/hindi/printpdf/dosti-trilateral-exercise-india-maldives-and-sri-lanka

भारत, मालदीव और श्रीलंका के बीच द्विवार्षिक **त्रिपक्षीय तटरक्षक अभ्यास 'दोस्ती' के 15वें संस्करण** का आयोजन मालदीव में किया गया।

इस अभ्यास ने वर्ष 2021 में 30 वर्ष पूरे कर लिये हैं।

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:**
  - अभ्यास 'दोस्ती' को वर्ष 1991 में भारत और मालदीव के तटरक्षकों के बीच शुरू किया गया था। श्रीलंका पहली बार वर्ष 2012 में इस अभ्यास में शामिल हुआ था।
  - पिछले दस वर्षों में आयोजित अभ्यासों ने समुद्री दुर्घटनाओं की स्थिति में सहायता प्रदान करने, समुद्री प्रदूषण को समाप्त करने और तेल रिसाव जैसी स्थितियों के दौरान **तटरक्षक की प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित** किया है।
  - इस अभ्यास (2021) के लिये **भारतीय तटरक्षक** पोत वज्र और अपूर्वा (Vajra and Apoorva) को तैनात किया गया है।
- **अभ्यास का उद्देश्य:**
  भारत-मालदीव-श्रीलंका त्रिपक्षीय अभ्यास 'दोस्ती' का उद्देश्य संबंधों को मज़बूत करना, आपसी सहयोग व क्षमता बढ़ाना तथा भारत, मालदीव और श्रीलंका के तटरक्षकों के बीच सहयोग स्थापित करना है।
- **हाल के सुरक्षा संबंधी विकास:**
  - श्रीलंका, भारत इस वर्ष अगस्त (2021) में आयोजित एक उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार-स्तरीय बैठक में श्रीलंका और मालदीव सुरक्षा सहयोग के "चार स्तंभों" पर काम करने के लिये सहमत हुए हैं।
    इनमें समुद्री सुरक्षा और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्र शामिल थे।
  - इससे पहले तीनों देश खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान का दायरा बढ़ाने पर सहमत हुए थे।

- **भारत और श्रीलंका के बीच अभ्यास:**
    - **अभ्यास मित्र शक्ति** (सैन्य अभ्यास)
    - **स्लीनेक्स** (नौसेना अभ्यास)
- **भारत और मालदीव के बीच अभ्यास:**
    अभ्यास एकुवेरिन (सैन्य अभ्यास)